केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 213 मंगलवार 24 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

19,877 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के एमओयू पर हस्ताक्षर

लखनऊ / सिंगापुर (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के पहले ही दिन यूपी सरकार को बड़ी सफलता मिली है। दौरे के पहले दिन कुल 19,877 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कंपनियों से हुए यह समझौते प्रदेश के औद्योगिक विकास व रोजगार के लिए अहम माने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निवेशकों के बीच स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों को पारदर्शी नीतिगत ढांचा, त्वरित स्वीकृतियां और बेहतर

बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिंगापुर में निवेश समझौता ज्ञापनों में एक बड़ा प्रस्ताव यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप की ओर से आया है, जिसने ग्रुप हाउसिंग, लाजिस्टिक पार्क और डेटा सेंटर परियोजनाओं में 6,650 करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी तीन एमओयू किए हैं। इन परियोजनाओं से शहरी विकास, औद्योगिक गतिविधियों और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिलने की उम्मीद है। तीनों परियोजनाओं से 20 हजार से अधिक रोजगार भी सृजित होंगे। इसके अलावा गोल्डन स्टेट कैपिटल (जीएससी) ने यूपी में 100 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर की स्थापना के लिए 8,000 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की जबकि प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ग्रुप (पीआईडीजी) ने नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और कृषि सह सोलर (एग्री–पीवी) परियोजनाओं में 2,500 करोड़ रुपये निवेश का समझौता ज्ञापन किया। एवीपीएन लिमिटेड ने भी नवीकरणीय ऊर्जा और एग्री–पीवी क्षेत्र में 2,727 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इन परियोजनाओं से उत्तर प्रदेश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने निवेश के साथ–साथ कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) को सुदृढ़ करने के लिए आईटीई एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस) के साथ सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के तहत आईटीईईएस शैक्षणिक विकास, बुनियादी ढांचे के उन्नयन, नेतृत्व और क्षमता निर्माण, आईएसक्यू प्रमाणन तथा क्वालिटी एश्योरेंस जैसे क्षेत्रों में परामर्श और तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इससे प्रदेश की कौशल व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करना है।

दिव्यांगों के लिये खुलेगा महर्षि वशिष्ठ विद्यालय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जगतगुरु रामभद्राचार्य ने कहा है कि बस्ती में दिव्यांगों के लिये महर्षि वशिष्ठ' के नाम से विद्यालय खोला जायेगा।

सोमवार' को 'सर्किट हाउस के सभागार में 'नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, इंडिया' के तत्वाधान में जनपद के दृष्टि दिव्यांगजनों, विशेष रूप से उन दृष्टि दिव्यांग छात्रों के लिए एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिन्होंने 'जगतगुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय' से उच्च शिक्षा पूर्ण की है।

कार्यक्रम का संचालन 'नैब इंडिया के मानद सचिव सचिव गोपाल कृष्ण अग्रवाल' द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में 'परम पूज्य जगतगुरु रामभद्राचार्य (पद्म विभूषण)' की कृतियों एवं उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा स्थापित देश के प्रथम दिव्यांग विश्वविद्यालय के माध्यम से जनपद ही नहीं, बल्कि देशभर के हजारों दिव्यांग बच्चों को मिल रही निःशुल्क उच्च शिक्षा का स्मरण किया।

इस अवसर पर दृष्टि दिव्यांग शिक्षक 'अमर सिंह' ने जनपद में

दृष्टि दिव्यांगों के लिए एक विद्यालय की स्थापना हेतु जगतगुरु से अनुरोध किया। अपने ओजस्वी उद्बोधन में 'परम पूज्य जगतगुरु रामभद्राचार्य' ने सभी उपस्थित जनों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए जनपद के सभी दिव्यांग युवाओं, विशेष रूप से दृष्टि दिव्यांग युवाओं को उच्च शिक्षा हेतु 'चित्रकूट स्थित निःशुल्क शिक्षा एवं आवासीय सुविधा' के साथ विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने का आवाहन किया। साथ ही उन्होंने जनपद में 'महर्षि वशिष्ठ' के नाम से विद्यालय खोलने का आश्वासन दिया।

उल्लेखनीय है कि बस्ती जनपद के सैकड़ों दृष्टि दिव्यांग बच्चे 'जगतगुरु रामभद्राचार्य द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय' में शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं अथवा वर्तमान में अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बस्ती में आयोजित राम कथा कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रमुख समाजसेवी राणा दिनेश प्रताप सिंह का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ एवं उपस्थित रहे।

इस अवसर पर 'नैब इंडिया की एग्जीक्यूटिव कमिटी मेंबर श्रीमती प्रियंका सिंह सहित विशेष शिक्षिका एवं कार्यक्रम की समन्वयिका श्रीमती पूनम सिंह', 'चंदेश्वर प्रसाद मिश्र', 'राम सुरेश', 'राम जी शुक्ला', 'राजकुमार शुक्ला', 'अनसूया मिश्रा', 'राकेश कुमार सोनी', 'सुरेश धर द्विवेदी', 'राम दिनेश', 'रामदीन', 'फरीदा खातून', 'साहिबा', 'रविंद्र कुमार', 'श्रवण कुमार', 'चंद्रेश', 'जहांगीर' सहित अनेक दृष्टि दिव्यांग युवा उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान के सबसे बड़े नायक हैं संत गाडगे–महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाज सुधारक महान संत गाडगे को उनके जयन्ती अवसर पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर याद किया गया। सोमवार को सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने संत गाडगे को नमन् करते हुये कहा कि उन्होंने अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया। यह सब उन्होंने भीख मांग–मांगकर बनवाया किंतु अपने सारे जीवन में इस महापुरुष ने अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। उन्होंने धर्मशालाओं के बरामदे या आसपास के किसी वृक्ष के नीचे ही अपनी सारी जिंदगी बिता दी। वे स्वच्छता अभियान के सबसे बड़े नायक हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

–समाजवादियों ने जयन्ती पर संत गाडगे को किया नमन्: योगदान पर चर्चा

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', दयाशंकर मिश्र, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, मो0 सलीम, जमील अहमद, गीता भारती, आर.डी. निषाद, हरीश गौतम, पंकज निषाद आदि ने कहा कि संत गाडगे बाबा के जीवन का एकमात्र ध्येय था–लोक सेवा। दीन–दुखियों तथा उपेक्षितों की सेवा को ही वे ईश्वर भक्ति मानते थे। धार्मिक आडंबरों का उन्होंने प्रखर विरोध किया। कहा कि संत गाडगे नशाखोरी, छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों तथा मजदूरों व किसानों के शोषण के भी वे प्रबल विरोधी थे।

कार्यक्रम के बाद सपा नेताओं ने पानी टंकी के निकट स्थित संतगाडगे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

संत गाडगे को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से अरविन्द सोनकर, गुलाब सोनकर, राम सिंह यादव, मो. हाशिम, सोनू शर्मा, रमेश गौतम, नितराम चौधरी, चन्दन कन्नौजिया, मन्नू सिंह, राम सुरेश यादव, मोनू यदुवंश, राजेन्द्र यादव, नसीबुल्लाह, रणजीत यादव, मुरलीधर पाण्डेय, 'रिन्दू', सुशील यादव, देवताराम यादव, दीनानाथ चौरसिया, युनूस आलम, डब्लू यादव, घनश्याम यादव, मंशाराम कन्नौजिया, राम प्रकाश सुमन, रन ,बहादुर यादव, मान सिंह यादव, राहुल सिंह, विजय लक्ष्मी, सावित्री देवी, सुशीला गौतम, रोहित सिंह, डा. वीरेन्द्र यादव आदि शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में सपा नेता राम बहाल चौधरी और राम आशीष वर्मा के माता जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

टीईटी के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया शिक्षण कार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय स्तर पर कई शिक्षक संगठनों से बने टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर सोमवार को शिक्षक और शिक्षिकाओं ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया जो आगामी 25 फरवरी बुधवार तक चलेगा। इससे पहले बीते 22 फरवरी को राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर शिक्षकों ने एक बड़ा ट्विटर अभियान चलाया था। इस अभियान के माध्यम से उन्होंने अपनी मांगों को सोशल मीडिया के जरिए सरकार तक पहुंचाया था।

-शिक्षकों की एकजुटता से मिलेगी टीईटी से मुक्ति-चन्द्रिका सिंह

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने बताया कि सभी शिक्षक संघो ने एक मंच पर आकर रविवार को टीईटी अनिवार्यता के विरोध में ट्विटर अभियान चलाया जो लगातार 4 घंटे तक एक नंबर पर ट्रेंड किया। सोमवार को जनपद के सभी शिक्षकों ने अपने– अपने विद्यालय पर काली पट्टी बांधकर टीईटी अनिवार्यता के विरोध में प्रदर्शन कर शिक्षण कार्य किया। जो कि बुधवार तक चलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की एकजुटता से टीईटी से मुक्ति अवश्य मिलेगी। जनपदीय मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि 26 फरवरी को पूरे देश मे बीएसए कार्यालय पर शिक्षक धरना देंगे और पैदल मार्च करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौपेंगे। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव व जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र ने बताया कि यदि सरकार शिक्षकों के हित मे कोई फैसला नही लेती है तो पूरे देश के शिक्षक टेट अनिवार्यता के विरोध में मार्च माह में दिल्ली में भी धरना प्रदर्शन करेंगे। तहसील अध्यक्ष उमाकांत शुक्ल, राजकुमार तिवारी और शिवरतन ने बताया कि ये अव्यवहारिक आदेश है जब शिक्षको ने भर्ती के समय सभी मानक पूर्ण किये थे तो अब उन पर जबरन टीईटी की अनिवार्यता उनको नौकरी से निकालने की साजिश है। रामनगर ब्लॉक में ब्लॉक अध्यक्ष रवि सिंह, सल्टौआ में ब्लॉक मंत्री विवेक सिंह तथा रुधौली में ब्लॉक मंत्री रामभवन के नेतृत्व में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर बीआरसी पर बड़ी संख्या में पहुचकर विरोध प्रदर्शन किया।

जयन्ती पर संत गाडगे को किया नमन्: सौंपा 4 सूत्रीय मांग पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को सन्त गाडगे रजक सुधार समिति के महामंत्री राजू कन्नाजिया संयोजन में महान संत गाडगे के जयन्ती अवसर पर उन्हें याद किया गया। कटरा पानी की टंकी के निकट स्थित संत गाडगे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोगों ने उनके योगदान पर विमर्श किया। समिति के महामंत्री राजू कन्नाजिया ने नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा को 4 सूत्रीय मांग पत्र देकर पानी की टंकी के निकट स्थित संत गाडगे की प्रतिमा स्थल को संत गाडगे चौराहा किये जाने, हाई मास्क लाइट लगाने, किसी एक पार्क का नाम संत गाडगे पार्क किये जाने, मड़वानगर मार्ग पर स्मृति द्वार लगाये जाने, धोबी घाट पर बने रैन बसेरा की मरम्मत आदि की मांग शामिल है।

नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने मांग पत्र लेते हुये कहा कि आवश्यकतानुरूप प्राथमिकता से मांगों को पूरा कराया जायेगा। कहा कि संत गाडगे सामाजिक विषमताओं के खिलाफ संघर्ष करने वाले संत थे। मानवता ही उनके लिए सबसे बड़ा धर्म था। समाज के लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

राजू कन्नौजिया ने कहा कि संत गाडगे जी महाराज का जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अंजनगांव (अमरावती) के सुरजी तालुका के शेडगांव ग्राम में एक धोबी के परिवार में हुआ था। ज्ञानार्जन से उन्हें जो पैसे प्राप्त होते थे, उससे गांव में स्कूल, धर्मशाला, अस्पताल और जानवरों के रहने योग्य घर बनवाते थे। गाडगे महाराज लोगों को कठिन परिश्रम, साधारण जीवन और परोपकार की भावना का पाठ पढ़ाते थे और हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करने को कहते थे। वे जब किसी गांव में प्रवेश करते, वहां की गंदी गलियों की सफाई शुरू कर देते थे। ऐसे महान संत के जीवन से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिये।

जयन्ती अवसर पर महान संत गाडगे को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से डा. राकेश कुमार कन्नौजिया, दुर्गेश कन्नौजिया, प्रमोद कन्नौजिया, संजय कुमार, जगदीश शर्मा, राजेन्द्र, डब्लू श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र कुमार, रमेश चन्द्र, अजय कुमार, दुर्गेश कुमार, नरेन्द्र कुमार, कन्हैयालाल, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, प्रवीन, सत्य प्रकाश, अर्जुन चौधरी, शिवसागर, राम सुमिरन, राहुल, जितन्द्र, राधेश्याम, अरुण कुमार, रामचन्दर, दिनेश कुमार,श्याम सुन्दर, अशोक, संदीप, जितेन्द्र, ओम प्रकाश, उमेश, पाण्डव, दिनेश चन्द्र, राम विलास, अंगद, के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

बढनी मिश्र आश्रम में दिव्यांगों के लिये खोला जायेगा इण्टर मीडिएट कालेज–रामभद्राचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढनी मिश्र में सोमवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरु वशिष्ठ रामायण कथा के छठवे दिन कथा को विस्तार देते हुये श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के जनेऊ संस्कार का भावुक वर्णन किया। कहा कि मेरी इच्छा रहती है कि बढनी मिश्र की माताओं, बहुओं से कहूं मुझे भूख लगी है, कुछ खिलाओ। भावुक स्वर में कहा कि बढनी मिश्र के प्रेम से गदगद हूं। रामभद्राचार्य ने कहा कि जगत की सारी सभ्यतायें पूर्वान्चल से निकलती है। श्रीराम को भी जन्म लेने के लिये बस्ती का चयन करना पड़ा। बडा नीक लागै वशिष्ठ जी के गउवां, सहित अनेक भजनों के माध्यम से रामभद्राचार्य ने वशिष्ठ महिमा का गान किया। कहा कि बढनी मिश्र आश्रम के लिये 52 बीघा जमीन आरक्षित है उसका सीमांकन कराकर दिव्यांगों के लिये इण्टर मीडिएट कालेज खोला जायेगा।

-लब जेहाद से हिन्दू बेटियों को किया सावधान
-जगत की सारी सभ्यतायें पूर्वान्चल से निकलती है
- जिसे माता का आशीर्वाद प्राप्त हो उसे संसार के सभी पुण्य मिल जाते हैं

लब जेहाद से हिन्दू बेटियों को सावधान करते हुये रामभद्राचार्य ने कहा कि बुरी नजर डालने वाले राक्षसों की आंख निकालने के लिये लक्ष्मीबाई बन जाओ।

महात्मा जी ने श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के जनेऊ संस्कार, माता से भिक्षा लेने सहित अनेक विन्दुओं की मार्मिक विवेचना करते हुये श्रीअयोध्या धाम में श्रीराम जन्म भूमि निर्माण के संघर्ष, बलिदान और अदालती कार्यवाहियों, खुद के गवाही देने आदि विन्दुओं पर प्रकाश डाला। माता के महिमा का वर्णन करते हुये रामभद्राचार्य ने कहा कि जिसे माता का आशीर्वाद प्राप्त हो उसे संसार के सभी पुण्य मिल जाते हैं।

ब्रह्म ऋषि महर्षि वशिष्ठ मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के सांस्कृतिक महोत्सव के छठे दिन दूरदर्शन लखनऊ की अवधी की युवा लोक गायिका राशि श्रीवास्तव ने श्री गणेश वन्दना, जय जय हो गजानन, सजा दो घर को गुलशन सा , आज मिथिला नगरिया निहाल सखिया की प्रस्तुति ने मन मोह लिया। कथा के आरम्भ में गायिका रंजना अग्रहरी द्वारा अवध मा बाजे, बाजे बधाइयां ,14 बरस मा राम जी आवे, सब नर नारी मंगल गावे । पादुका पूजन मुख्य यजमान संजय मिश्रा , वंदना मिश्रा, डॉ. मालिनी अवस्थी की शिष्या डॉ० रंजना अग्रहरि ने ,भारत का बच्चा–बच्चा जय श्री राम बोलेगा राजा जी खजनवा देना बधाई गीत रंग डारो ना कान्हा भीगे चुनरी , अवध मा बाजे, बाजे बधाइयां ,14 बरस मा राम जी आवे, सब नर नारी मंगल गावे, वहीं विक्रांत पाण्डेय ने,मेरे गिरधर कान्हा, हनुमान चालीसा मेरे राम आएंगे, आदि के भजनो ने भक्ति रस मयी प्रस्तुतियो ने कथा का पूरे वातावरण को हर्षित एवं अलौकिक कर दिया । मास्टर शिव की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कथा के आरम्भ में गायिका रंजना अग्रहरी द्वारा अवध मा बाजे, बाजे बधाइयां ,14 बरस मा राम जी आवे, सब नर नारी मंगल गावे । पादुका पूजन मुख्य यजमान संजय मिश्रा , वंदना मिश्रा , संतोष मिश्रा ने किया। मुख्य यजमान चंद्र भूषण मिश्र ने माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी ने राना दिनेश प्रताप सिंह को मंच पर बुलाकर आशीर्वाद देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया कहा की मेरा मन इतना गदगद है की मै उसका बखान शब्दो मे नही कर सकता तुमने बहुत बड़ा आयोजन किया आज तुमने मेरा दिल जीत लिया। तुम इसी तरह हर साल कथा का आयोजन करते रहो ।

नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह ,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह ,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा , दयाशंकर मिश्रा , तेजस उर्फ तेजा , चंद्रमनी मिश्रा , कैलाश मोहन श्रीवास्तव, दिनेश पाल , आसमान सिंह , शिव पूजन लाल श्रीवास्तव , रणजीत सिंह,विजय श्रीवास्तव, सर्वजीत सिंह , राजेश त्रिपाठी , रामशंकर मिश्रा , आशीष सिंह , दीपक सिंह , सीबी शुक्ला, आलोक पांडेय , शैलेंद्र पांडेय , विवेकानंद शुक्ला,शशि प्रभा ,राधेश्याम जयसवाल , अनिल श्रीवास्तव , विश्वनाथ पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता उपस्थित रहे। संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।

जनपद स्तरीय एकेडमिक समीक्षा बैठक में प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के विवेकानंद सभागार में डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार की उपस्थिति में समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, राज्य संदर्भदाता समूह सदस्य, डायट मेंटर तथा एआरपी की जनपद स्तरीय मासिक बैठक सोमवार को सम्पन्न हुई। जनपद में कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों को भाषा एवं गणित में ग्रेड लेवल दक्ष बनाने के उद्देश्य से उपचारात्मक शिक्षण पर एक महत्वपूर्ण जनपदीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आकलन आधारित समूह निर्माण, दक्षता आधारित चेकलिस्ट, बन पेजर के प्रयोग, टीएलएम गतिविधियों एवं ब्लूम टैक्सोनॉमी आधारित उन्नत शिक्षण रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा प्रस्तुत रेमिडियल योजना की गहन समीक्षा करते हुए उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया। डायट प्राचार्य ने अपने संबोधन में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए और कहा कि सभी पर्यवेक्षक विद्यालय भ्रमण के दौरान निर्धारित बिंदुओं को पर्यवेक्षक पंजिका में अनिवार्य रूप से दर्ज करें उन्होंने स्पष्ट किया कि अगली बैठक में आंकड़ों के आधार पर प्रत्येक विकासखंड द्वारा प्रेजेंटेशन कराया जाएगा जिसके आधार पर प्रगति की

समीक्षा करते हुए जिम्मेदारी तय की जाएगी। बीएसए ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी नियमित रूप से पर्यवेक्षक पंजिका की समीक्षा करते रहें तथा उसकी समेकित रिपोर्ट जनपद स्तर पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें जिससे निपुण लक्ष्य की प्राप्ति में प्रगति का सतत अनुश्रवण किया जा सके उन्होंने आकलन आधारित लक्षित शिक्षण को प्रत्येक विद्यालय में प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। डायट प्रवक्ता अलीउद्दीन द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के संदर्भ में सांख्यिकीय आंकड़े प्रस्तुत करते हुए समीक्षा की गई तथा प्रगति में सुधार हेतु प्रभावी कार्ययोजना और विभिन्न तरीके सुझाए गए। बैठक का संचालन एसआरजी आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया गया जिसमें सबसे पहले फ्री टेस्ट लिंक शेयर करके सभी एकेडमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रोटेस्ट दिया गया और बच्चे किन बिंदुओं पर अपेक्षित दक्षता प्राप्त नहीं करते हैं पर समूह चर्चा की गई। कई खंड शिक्षा अधिकारियों ने भी अपने विचार साझा किए। अंत में सभी प्रतिभागियों को अपने अपने विद्यालयों में रेमिडियल योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर प्रत्येक बच्चे को निपुण बनाने का संकल्प दिलाया गया।

बैठक में मुख्य रूप से खंड शिक्षा अधिकारी ममता सिंह, अशोक कुमार, प्रभात श्रीवास्तव, बड़कऊ वर्मा, डायट प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी, शशि दर्शन त्रिपाठी, डीसी आलोक त्रिपाठी, एसआरजी अंगद पाण्डेय, निपुण सेल से कृतिका, अनिका, सरस्वती सहित जनपद के समस्त एकेडमिक रिसोर्स पर्सन एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 फरवरी 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

शिक्षा में जातिवाद का खतरा

उच्च शिक्षा परिसरों में समता लाने के नाम पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा हाल में जारी दिशा–निर्देशों ने न केवल जाति विमर्श को चर्चा के केंद्र में ला दिया है, बल्कि हिंदू समाज एक बार फिर जातीय खांचों में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास के कारण जाति विभाजन की जो रेखाएं समय के साथ धुंधली पड़ने लगी थीं, वे अब पुनः गहरी होती दिखाई दे रही हैं।

वर्तमान परिस्थितियां मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद उत्पन्न हुए उस दौर की याद दिला रही हैं, जब हिंदू समाज स्पष्ट रूप से विभाजित हो गया था। आज समाज फिर उसी राह पर अग्रसर दिख रहा है। जाति के आधार पर राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले कुछ दल छात्रों के बीच इस विमर्श को हवा दे रहे हैं, ताकि चुनावी लाभ लिया जा सके। इसके विपरीत, सवर्ण समाज भी अपने हितों की रक्षा के लिए छात्रों को लामबंद करने में पूरी शक्ति से जुटा हुआ है। यदि यूजीसी के इन दिशा–निर्देशों का कोई सर्वसमावेशी और सर्वमान्य हल नहीं खोजा गया, तो इसका सीधा असर भविष्य की राजनीति पर पड़ेगा। इससे न केवल सामाजिक समरसता प्रभावित होगी, बल्कि व्यापक हिंदू एकता का लक्ष्य भी संकट में पड़ सकता है। जहां सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जातिगत विभाजन की दीवारों को कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे पुनः उभारने में सफल रही है। पिछड़ी जातियों के उत्थान के नाम पर जाति विमर्श को सत्ता के केंद्र में लाने का मुख्य श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है। उन्होंने 1990 में चौधरी देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू कर दिया। उस निर्णय ने हिंदू समाज को वैचारिक और सामाजिक स्तर पर बुरी तरह विभाजित कर दिया।

तब मंडल आयोग के विरोध में लगभग समूचा उत्तर भारत सुलग उठा था और सवर्ण समुदाय के युवाओं को अपना भविष्य अंधकारमय प्रतीत होने लगा था। मंडल आयोग द्वारा पैदा की गई इस सामाजिक खाई को बाद की राजनीति ने पाटने के बजाय और अधिक गहरा ही किया है। जब समाज ने सरकारी नौकरियों में पिछड़ों के आरक्षण को धीरे–धीरे स्वीकार करना शुरू किया, तभी वर्ष 2006 में मनमोहन सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों के दाखिले में भी पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का प्रविधान कर दिया।

इस निर्णय के विरोध में छात्र एक बार फिर सड़कों पर उतर आए, जिससे सामाजिक विभाजन की दरारें और चौड़ी हो गईं। आज जब देश इन पुराने संघर्षों की स्मृतियों से उबर ही रहा था, तभी यूजीसी के नए दिशा–निर्देशों ने भारतीय समाज को पुनः एक गहरे अंतर्द्वंद्व और सामाजिक संघर्ष के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। यद्यपि यह संघर्ष अभी सार्वजनिक रूप से सड़कों पर दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इस वैचारिक उबाल की चपेट में हैं। वर्तमान में शैक्षणिक परिसर दो स्पष्ट गुटों में बंटे नजर आ रहे हैं–एक तरफ इस गाइडलाइन के प्रबल समर्थक हैं, तो दूसरी तरफ इसके तीखे विरोधी।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 27 जून, 1961 को सभी मुख्यमंत्रियों के नाम एक विस्तृत पत्र लिखा था। इस पत्र में नेहरू जी ने वर्तमान जाति–आधारित आरक्षण की व्यवस्था को एक प्रकार से नकार दिया था। वे आरक्षण–आधारित विकास के स्थान पर एक श्ज्ञान–केंद्रित समाजश का निर्माण करना चाहते थे। नेहरू जी ने स्पष्ट शब्दों में लिखा थारू ष्मुझे किसी भी रूप में आरक्षण पसंद नहीं है, विशेषकर नौकरियों में आरक्षण। मैं ऐसे किसी भी कदम के विरुद्ध हूं जो अक्षमता को बढ़ावा देता है और हमें औसत दर्जे की ओर ले जाता है।ष

नेहरू का मानना था कि यदि हमें देश को आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाना है, तो हमें योग्यता को प्राथमिकता देनी होगी। विडंबना यह है कि यदि यूजीसी की वर्तमान गाइडलाइन का विरोध करने वाले लोग आज पंडित नेहरू के इन शब्दों को दोहराएं, तो उन्हें तुरंत श्सामाजिक न्यायश का विरोधी करार दे दिया जाएगा। यह तथ्य दर्शाता है कि पिछले छह दशकों में भारतीय राजनीति और सामाजिक विमर्श की दिशा कितनी बदल चुकी है। मंडल आयोग के लागू होने के बाद देश में जो राजनीतिक विमर्श स्थापित हुआ, उसमें सवर्ण समाज प्रगति विरोधी कहलाने के भय से एक लंबे समय तक चुप्पी साधे रखी। किंतु बाद के वर्षों में विशेषकर एससी–एसटी कानून के दुरुपयोग और आरक्षण के निरंतर विस्तार ने इस वर्ग के भीतर एक दबाव पैदा किया। राम मंदिर आंदोलन के पश्चात सवर्ण समाज ने जिस तरह एकतरफा भाजपा का दामन थामा था, वह अब इस नई गाइडलाइन से भौंचक्का रह गया है। यही दबाव और विस्मय अब गुस्से में परिवर्तित हो रहा है। सत्ता की बाट जोह रहे विपक्षी दल पर्दे के पीछे से इस असंतोष को हवा तो दे रहे हैं, किंतु वे खुलकर बोलने से बच रहे हैं। उन्हें भय है कि सवर्णों का पक्ष लेने पर कहीं उनका श्पिछड़ा वोट बैंकश न बिदक जाए। भाजपा सरकार और संगठन के शीर्ष नेता इस जातीय विमर्श को ठंडा करने के प्रयासों में जुटे हैं, लेकिन इस समस्या का समाधान खोजने में जितनी विलंब होगा, जाति विमर्श उतना ही प्रखर होता जाएगा। यदि समय रहते सवर्ण समुदाय का यह गुस्सा शांत नहीं हुआ, तो आने वाले चुनावों में भाजपा के लिए नई और कठिन चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

योगी सरकार का जापान में निवेशकों से समझौता

–अजय कुमार–

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजकल विदेश दौरे पर हैं। उनका यह दौरा 23 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा, जिसमें योगी को पहले दो दिन सिंगापुर और उसके बाद दो दिन जापान में गुजारना है। इसी क्रम में आज सिंगापुर पहुंचते ही सीएम योगी ने निवेशकों के साथ गहन चर्चा की और जी–टू–बी बैठकों का आयोजन भी किया गया,जिसमें 33 वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात हुई, जहां सीएम ने उत्तर प्रदेश की स्थिर नीतियों, मजबूत कानून व्यवस्था और बेहतर बुनियादी ढांचे की ताकत बताई। पहले ही दिन तीन महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनकी राशि छह हजार छह सौ पचास करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन समझौतों से शहरी विकास, स्मार्ट शहर परियोजनाएं, जल प्रबंधन और कौशल विकास के क्षेत्रों में प्रगति होगी। सिंगापुर के गृह मंत्री और विदेश मंत्री से उनकी भेंट ने राजनयिक स्तर पर भी मजबूती प्रदान की। उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित कर प्रदेश के अवसरों से अवगत कराया और निवेश का भरोसा जगाया।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश को निर्माण केंद्र और एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना था। योगी ने निवेशकों को बताया कि प्रदेश में एकल खिड़की प्रणाली से अनुमोदन प्रक्रिया सरल हो गई है, बिजली–पानी की आपूर्ति निर्बाध है और एक्सप्रेसवे तथा औद्योगिक पार्कों का जाल बिछ चुका है। सिंगापुर जैसे विकसित देश ने हमेशा प्रौद्योगिकी और वित्तीय क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, इसलिए वहां से प्राप्त सहयोग प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा। रोड शो के माध्यम से उन्होंने निवेशकों को आमंत्रित किया और प्रदेश की 36 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था को नई गति देने का वादा किया। पिछले वैश्विक निवेशक समिट में 35 लाख करोड़ के प्रस्ताव मिले थे, जिन पर कार्य शुरू हो चुका है, और यह दौरा उसी श्रृंखला का हिस्सा था। सिंगापुर से लौटते हुए योगी ने कहा कि यह यात्रा निवेश की नई लहर लाएगी, जो लाखों नौकरियां पैदा करेगी।

जापान प्रवास के दौरान योगी आदित्यनाथ ने यमनाशानी प्रांत के राज्यपाल से भेंट की और उच्च गति रेल परियोजनाओं पर चर्चा की। जापान की उन्नत रेल प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश के लिए वरदान साबित हो सकती है, खासकर मगलेव ट्रेन जैसी परियोजनाओं के लिए। उन्होंने वहां भारतीय समुदाय के साथ सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किया और निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला। जापान के निवेशक निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों में रुचि दिखा रहे हैं। योगी ने जापानी कंपनियों को प्रदेश के विशाल बाजार और कुशल श्रमिकों के बारे में बताया। इस दौरे से प्राप्त प्रतिबद्धताएं ऊर्जा, परिवहन और तकनीकी क्षेत्रों को मजबूत करेंगी। जापान जैसे देश से निवेश आने से प्रदेश का निर्यात बढ़ेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उत्तर प्रदेश की स्थिति मजबूत होगी। कुल मिलाकर, चार दिनों में हुई बैठकों ने दर्जनों संभावनाएं खोली हैं, जो राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगी।

इस यात्रा से उत्तर प्रदेश को निवेश के अलावा अन्य लाभ भी मिले। सिंगापुर से प्राप्त समझौते जल प्रबंधन में नई तकनीक लाएंगे, जो गंगा सफाई और नदी जोड़ परियोजनाओं को गति देंगे। कौशल विकास के क्षेत्र में साझेदारी से युवाओं को आधुनिक प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे बेरोजगारी कम होगी। जापान से उच्च गति परिवहन प्रौद्योगिकी हासिल होने से एक्सप्रेसवे और मेट्रो परियोजनाएं तेज होंगी। योगी सरकार ने पहले ही निवेश नीतियों को सरल बनाया है, जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार हुआ। प्रदेश अब निवेशकों का भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है, जहां भूमि बैंक, सस्ती बिजली और सुरक्षा का वातावरण उपलब्ध है। इस दौरे ने वैश्विक ब्रांडों का विश्वास बढ़ाया, जैसा कि वित्तीय वर्ष में सैकड़ों परियोजनाओं से स्पष्ट है। निवेश से ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग लगेंगे, जिससे प्रवासन रुकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

योगी आदित्यनाथ की यह यात्रा 2017 के म्यांमार दौरे के बाद पहली थी, जो दर्शाता है कि सरकार विदेशी निवेश पर कितना जोर दे रही है। सिंगापुर और जापान जैसे देशों से निवेश आने से प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद बढ़ेगा और एक ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य साकार होगा। निवेशकों ने प्रदेश की कानून व्यवस्था की प्रशंसा की, जो योगी के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यात्रा से लौटकर योगी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और प्राप्त प्रतिबद्धताओं को जमीन पर उतारने के निर्देश दिए। इन निवेशों से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में प्रगति होगी। लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा, खासकर लखनऊ, नोएडा और वाराणसी जैसे शहरों में। ग्रामीण इलाकों में सौर ऊर्जा परियोजनाएं लगेंगी, जो किसानों की आय दोगुनी करेंगी। कुल 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ गई यात्रा ने सभी क्षेत्रों को कवर किया।

इस दौरे की सफलता से उत्तर प्रदेश वैश्विक पटल पर चमकेगा। निवेश के अलावा सांस्कृतिक आदान–प्रदान बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जापान के राज्यपाल के साथ चर्चा से सांस्कृतिक केंद्र स्थापित हो सकते हैं। सिंगापुर की स्मार्ट सिटी तकनीक से प्रदेश के शहर आधुनिक बनेंगे। योगी ने निवेशकों को आश्वासन दिया कि सभी प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही होगी। यह यात्रा न केवल आर्थिक लाभ देगी, बल्कि राज्य की छवि को नया आयाम भी प्रदान करेगी। भविष्य में ऐसे और दौरे होंगे, जो प्रदेश को भारत का इंजन बनाएंगे। निवेश से उद्योग धंधे लगेंगे, बाजार फूलेंगे और कल्याणकारी योजनाएं मजबूत होंगी। योगी आदित्यनाथ का विजन स्पष्ट है– विकसित उत्तर प्रदेश, जो विश्व गुरु भारत का आधार बने। इस दौरे ने सिद्ध कर दिया कि मेहनत और दूर दृष्टि से असंभव कुछ नहीं। प्रदेशवासी गर्व से कह सकते हैं कि उनका राज्य अब वैश्विक निवेश का केंद्र है।

हादसे के दोषी भी दंडित हों

–सुरेश सेठ–

देश के सड़क ढांचे का व्यापक विस्तार हुआ है और राजमार्गों का जाल तेजी से फैला है। संकरी और जर्जर सड़कों की जगह अब आधुनिक एवं चौड़ी सड़कों ने ले ली है, जिससे सड़क परिवहन व्यवसायियों और आम नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बन गया है। किन्तु इस विकास के साथ नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। शहरों की भीड़भाड़ से दूर बाइपास और खुली सड़कों पर वाहन चालक प्रायः लापरवाही से तेज गति में वाहन चलाते हैं। पर्याप्त निगरानी और यातायात नियंत्रण के अभाव में दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

स्पष्ट है कि अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय लापरवाही और तेज गति के कारण होती हैं। ऐसी मौतों की आपराधिक जवाबदेही केवल धन–लेनदेन के समझौते के आधार पर समाप्त नहीं की जा सकती। समझौते से एफआईआर रद्द करना तभी संभव है जब वास्तविक पीड़ित की शिकायत शेष न हो। पीड़ित के परिजनों के लिए न्याय सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है।

स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब चालक नशे की अवस्था में वाहन चलाते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन यात्रियों और राहगीरों के लिए जानलेवा साबित होते हैं। हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार एशिया में सपाट और चौड़ी सड़कों पर दुर्घटनाओं की दर चिंताजनक रूप से बढ़ी है। भले ही सड़क सुरक्षा बल की तैनानी और दुर्घटना में घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू की हो, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में अपेक्षित कमी नहीं आई है।

यदि किसी एक चालक की लापरवाही से दूसरे चालक या राहगीर की मृत्यु हो जाती है, तो यह केवल दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाही से हुई मृत्यु का मामला है। ऐसे मामलों में दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। लेकिन अक्सर आर्थिक रूप से संपन्न लोग कई बार कानूनी प्रक्रियाओं में दखल या धनबल के सहारे राहत पा लेते हैं। भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 2(एक्स) में 'पीड़ित' की परिभाषा में कानूनी वारिसों को भी शामिल किया गया है। पूर्व में प्रायः ऐसा होता था कि मृतक के वारिस समझौते के तहत मुआवजा स्वीकार कर लेते थे और मामला आगे नहीं बढ़ता था।

फलस्वरूप, आर्थिक क्षतिपूर्ति को ही न्याय का विकल्प मान लिया जाता था। जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है, उसे प्रत्यक्ष न्याय तो नहीं मिल सकताय अतः उसके परिजनों को धनराशि देकर मामले का पटाक्षेप कर दिया जाता था। क्या केवल आर्थिक मुआवजा किसी जीवन की क्षति की पूर्ति कर सकता है? स्पष्ट है कि सड़क सुरक्षा के साथ–साथ दंड प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि कानून का भय और न्याय का विश्वास दोनों कायम रह सकें।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक याचिका पर फैसला दिया है कि सड़कों पर लापरवाही से वाहन चला कर दुर्घटना करने वाले माफी के हकदार नहीं। निस्संदेह, मृतक के आश्रितों को कुछ क्षतिपूर्ति मिलनी चाहिए लेकिन यहां तो मौत के जिम्मेदार को ही माफ होने लगी। अदालत ने इस अधिकार रद्द कर दिया है। कुछ अभियुक्तों ने तर्क दिया कि वे केवल अनुबंध पर वाहन चला रहे थे, इसलिए सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी नहीं बल्कि वाहन स्वामी की है। इस पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दोष तय करना अदालत का कार्य हैय यह साक्ष्यों के आधार पर ही निर्धारित होगा कि जिम्मेदार कौन है। यदि किसी वाहन स्वामी ने जर्जर वाहन सड़क पर उतारे हों और उनसे दुर्घटना हुई हो, तो जांच उसी अनुरूप की जाएगी।

स्पष्ट है कि अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय लापरवाही और तेज गति के कारण होती हैं। ऐसी मौतों की आपराधिक जवाबदेही केवल धन–लेनदेन के समझौते के आधार पर समाप्त नहीं की जा सकती। समझौते से एफआईआर रद्द करना तभी संभव है जब वास्तविक पीड़ित की शिकायत शेष न हो। पीड़ित के परिजनों के लिए न्याय सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है।

वर्तमान परिस्थितियों में कठोर दंड की संभावना प्रायः क्षीण प्रतीत होती है। दंड विधान में भी कानूनी छिद्र खोज लेने वाले सामने आ जाते हैं। 'तारीख पर तारीख' की प्रक्रिया लंबी होती रहती है और अभियुक्त जमानत पर बाहर आकर स्वयं को अपराध मुक्त समझने लगते हैं।

इसी व्यवस्था में आर्थिक रूप से संपन्न लोगों ने दुर्घटनाओं में अपनी लापरवाही से हुई मौतों के मामलों का समाधान भी अपने तरीके से निकाल लियाकृमुआवजे और समझौतों के माध्यम से। न्याय का सिद्धांत यह है कि अपराधी को दंड मिले और पीड़ित परिवार को न्याय। किसी की मृत्यु के बदले केवल धनबल के आधार पर, वारिसों के हस्ताक्षरों से 'माफी' स्वीकार करवा लेना न्याय की भावना के विपरीत है। यह निर्णय न केवल विधि के शासन को सुदृढ़ करता है, बल्कि लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभकृन्यायपालिकाकृकी गरिमा और प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। इसे स्वीकार और लागू करना ही न्यायपूर्ण समाज की दिशा में एक आवश्यक कदम होगा।

इसके अतिरिक्त, प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि सड़कें वर्षों तक मरम्मत की प्रतीक्षा में जर्जर न पड़ी रहें। दुर्घटना–प्रवण ब्लैक स्पॉट्स को शीघ्र सुधारा जाए, चेतावनी संकेत स्पष्ट और बड़े अक्षरों में लगाए जाएँ तथा रात्रि में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम हो।

लेखक साहित्यकार हैं।

वॉशिंगटन में भारतीय हितों की रक्षा के प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

भारत को जरूरत है आसान शर्तों वाले अमेरिकी बाजार की, उन्हें भी हमारी है। बहरहाल, भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कथित तौर पर व्यापार समझौता करवाने व भारत को पैक्स सिलिका में शामिल कराने में भूमिका निभाई। वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो समझौते का ड्राफ्ट तैयार कर रहे हैं, जिसमें बाजार खोलने की बात है।

अमेरिका में हमारा आदमी वह नहीं है जिसके बारे में आप अंदाजा लगा सकते हैं, दरअसल, वह उनका सहयोगी है यानि भारत में अमेरिका के राजदूत, सर्जियो गोर। यह शख्स बहुत ज्यादा रोचक है। वे 1986 में उज्बेकिस्तान के ताशकंद में, बतौर पूर्व सोवियत यूनियन नागरिक पैदा हुए थे (नाम सर्जियो गोरोखोव्स्की रखा गया)य एक दशक के अंदर उनका परिवार अमेरिका चला गया, जहां उन्होंने अपना सरनेम छोटा कर लिया।

उम्र के चालीस साल पूरे करने से पहले ही श्रीमान गोर न केवल दुनिया के सबसे ताकतवर आदमी, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नजदीकी बने हुए हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि व्हाइट हाउस तक पहुंचने वाले रास्ते की मुश्किलें आसान बनाने में वे भारत की हर संभव मदद कर रहे हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो मेरी बात याद रखिए, अगले गणतंत्र दिवस पर वे एक उच्च पद्म सम्मान के पक्के दावेदार होंगे।

अब श्रीमान गोर की शोहरत का दावा सिर्फ उस धमाकेदार खबर पर नहीं टिका है, जो उन्होंने बीते शुक्रवार दिल्ली में ब्रेक की थी, अर्थात, प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बहुत जल्द भेंट हो सकती है, यह देखते हुए कि ट्रंप ने अभी हाल ही में कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान '11 बहुत महंगे' लड़ाकू जेट मार गिराए गए थे, भारत निश्चित रूप से इस पर नजर रखेगा। माना जाता है कि गोर ने भारत के विरुद्ध अड़ियल रवैया अपनाए बैठे अमेरिकी प्रशासन को अंततः व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मनाया है – और भारत को 50 फीसदी टैरिफ की मुसीबत से राहत दिलवाई है, भले ही हम 5,000 साल पुरानी सभ्यता के वारिस हैं।

इसके अलावा, कहा जा रहा है कि उन्होंने एआई और महत्वपूर्ण खनिजों के मामले पर भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले वैश्विक संगठन, 'पैक्स सिलिका' में प्रवेश पाने में भी मदद की हैय मत भूलिए कि अमेरिकियों ने दो महीने पहले, दिसंबर में, इसी संगठन में भारत के लिए दरवाजे बंद करवा दिए थे। (तो हृदय परिवर्तन की वजह क्या है?)

अब आप दलील देंगे कि यह सब तो आमतौर पर होता रहता है, कि यह तो गोर का काम है कि वह स्थानीय लोगों, मतलब हम भारतीयों के साथ ,तालमेल बनाकर रखें दृ और यहां पर मैं यह शब्द सोच–समझकर सलाह के रूप में उपयोग कर रही हूं, क्योंकि आपने अब तक वह पढ़ लिया होगा जो गोर के काफी ताकतवर साथी, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक हफ्ते से भी कुछ पहले म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में कहा था। यह भाषण 'ईसाई आस्था' और 'पश्चिमी सभ्यता' जैसे विशेषणों से भरा हुआ थादृ और कक्ष में मौजूद सभी राजनेता, जिनमें से अधिकांश गोरे थे, उन्होंने जोश में तालियां बजाईं। यह और बात है कि इन्हीं में से कई लोग लगातार अलग–अलग रंगों की त्वचा वाले लोगदृ भूरे, काले, पीलेदृ जोकि भारत और चीन जैसे तीसरी दुनिया के देशों में रहते हैं, उनके साथ व्यापार समझौते करने की कोशिशें कर रहे हैं, क्योंकि बाजार वहीं पर हैं। म्यूनिख में रुबियो के अनुसार, 'हमें अपनी राष्ट्रीय सीमाओं पर भी नियंत्रण करना होगा। यह नियंत्रण कि कौन और कितने लोग हमारे देशों में आते हैं, यह कोई जेनोफोबिया (परदेसियों का भय) दिखाना नहीं है। यह नफरत नहीं है। यह राष्ट्रीय प्रभुसत्ता का एक बुनियादी काम है'।

आपको क्यूबाई मूल के अमेरिकी की अमेरिका के झंडे 'स्टार्स एंड स्ट्राइप्स' को लहराने की तीव्र या कुछ हद तक बेताब इच्छा की खातिर अवश्य ही तारीफ करनी होगी, किंतु विडंबना पर ध्यान दें। मार्को का क्यूबाई नागरिकता वाला परिवार उस वक्त तक अमेरिकी नागरिक नहीं बना था, जब 1971 में वे पैदा हुए थे। लेकिन, एक ताकतवर अमेरिकी विदेश मंत्री श्रीमान रुबियो ऐसा रुख अपना रहे हैं जो भविष्य के सुंदर पिचाई जैसों को अमेरिका में पैर जमाने की कोशिश करने में अड़चन बनेगा (भारत अपने 'सुंदर पिचाइयों' को घर पर ही क्यों नहीं रोककर रख सकता है, यह एक अच्छा और अलग सवाल है)।

फिर मुक्त व्यापार की वह दलील जिसे पश्चिमी जगत सोवियत यूनियन के पतन और शीत युद्ध खत्म होने के बाद से आगे बढ़ा रहा है कृ यह मानना पड़ेगा कि इसी ने भारत को अपनी जटिल नीति में सुधार करने और वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने के लिए मजबूर किया था कृ और दक्षिणी गोलार्ध के मुल्कों ने अपने बाजार खोलने की एवज में, श्रमिकों के मुक्त आवागमन की मांग की थी। अर्थात सबसे काबिल लोगों को उस जगह पर जाने की मुक्त आवाजाही की सहूलियत होनी चाहिए जहां जॉब्स हो य महज पासपोर्ट के रंग के आधार पर उनके साथ भेदभाव न हो। क्योंकि पिछले साल ट्रंप ने मुक्त व्यापार की दलील को निरस्त कर दिया था, अब उनके विदेश मंत्री नए समझौते के प्रारूप को अंतिम रूप दे रहे हैं कृ हमारे सामान के लिए अपना बाजार खोलो, लेकिन हमसे यह उम्मीद मत रखो कि तुम्हारे लोगों की नौकरियों के लिए हम अपनी अर्थव्यवस्था खोलेंगे।

रुबियो के म्यूनिख वाले भाषण के सबसे खास हिस्से के लिए जरा रुकिए। 'कोलंबस के युग के बाद से, 1945 में पहली बार, पश्चिम सिकुड़ रहा था३ बड़े पश्चिमी साम्राज्य अपने पूर्ण पतन के दौर में पहुंच गए थे, जिसको नास्तिक वामपंथी आंदोलन और औपनिवेशीकरण विरोधियों ने और गति दी और आने वाले सालों में दुनिया के नक्शे के एक बड़े हिस्से को दरांती–हथौड़े वाले लाल झंडे से ढांप दिया'।

रुबियो की बातों से आपको गुस्सा आ सकता हैं, लेकिन बेहतर होगा कि गहरी सांस लेकर सोचें। कम से कम अब हम जानते हैं कि ट्रंप

दो जांच टीमों के बाद डीएम खुद पहुंची बीएसए दफ्तर, शिक्षक की आत्महत्या से मचा हड़कंप

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार के मदरसन विद्यालय के सहायक अध्यापक कृष्ण मोहन सिंह की खुदकुशी के बाद से शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। इस मामले का शासन ने संज्ञान ले लिया है। शासन के सख्त होते ही लखनऊ और देवरिया में गठित अलग–अलग दो जांच टीमें सोमवार की सुबह के 10 बजते ही बीएसए कार्यालय पहुंच गईं। टीमों ने जांच शुरू कर दी है। एक–एक बिंदुओं की कमेटी जांच कर रही है। जांच के समय बीएसए शालिनी श्रीवास्तव के भी मौजूद होने की बात कही जा रही है। इन जांच टीमों के बाद देवरिया की डीएम दिव्या मित्तल खुद बीएसए कार्यालय पहुंचीं।

कुशीनगर जिले कुबेर स्थान थाना क्षेत्र के हरैया बुजुर्ग के रहने वाले कृष्ण मोहन सिंह देवरिया के गौरीबाजार विकास खंड स्थित कृषक लघु माध्यमिक विद्यालय, मदरसन में सहायक अध्यापक थे। वह गोरखपुर के गुलरिहा क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज में अपने भाई के यहां रहते थे। 20 फरवरी की रात उन्होंने फांसी लगा कर जान दे दी थी। उनकी पत्नी गुड़िया सिंह द्वारा गुलरिहा थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक गत 20 फरवरी को उनके कृष्ण मोहन सिंह को बीएसए कार्यालय में बुलाकर अपमानित किया गया और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। शाम को घर लौटने पर उन्होंने पूरी घटना बताई। वह अत्यंत व्यथित दिखाई दिए। उसी रात उन्होंने घर के निचले कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। सुबह जब वह कमरे में पहुंचीं तो उन्हें फांसी पर लटकते हुए पाया। मोहन सिंह की जेब से चार पेज का सुसाइड नोट मिला, जिसमें उन्होंने पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए गंभीर आरोप लगाए थे। इस मामले में गोरखपुर के गुलहरिया थाने में बीएसए शालिनी श्रीवास्तव, लिपिक संजीव सिंह और एक अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

उधर देवरिया डीएम दिव्या मित्तल ने सीडीओ राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की है। इसके अलावा शासन से स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने भी जेडी पवन सचान की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की है। इसमें उप शिक्षा निदेशक संजय कुमार उपाध्याय, संबंधित तहसील के एडीएम और मण्डलीय सहायक शिक्षा अधिकारी हैं। शासन के सख्त होते ही सुबह 10 बजे ही लखनऊ व देवरिया की जांच कमेटी बीएसए कार्यालय पहुंच गई और जांच शुरू कर दी।

जांच कमेटी में सीडीओ आईएएस राजेश कुमार सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा, डीआईओएस शिवनारायन सिंह के अलावा लखनऊ से गठित जांच कमेटी के सदस्य भी मौजूद हैं। जांच शुरू होते ही बीएसए कार्यालय में खलबली मच गई है।

गोरखपुर जनपद में बीएसए व लिपिक व अन्य के विरुद्ध केस दर्ज होने के बाद आजाद हिंद सेना वाहिनी के कार्यकर्ता ऋषि पांडेय के नेतृत्व में सुबह 10 बजे बीएसए कार्यालय कार्यकर्ता पहुंचे। बीएसए की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान इन लोगों ने जम कर नारेबाजी की।

14.28 करोड़ का कर्ज न चुकाने पर केपी दाल मिल सील, कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई

संवाददाता–बहराइच। शहर के दरगाह में स्थित मेसर्स केपी दाल मिल फर्म द्वारा 14.28 करोड़ रुपये की कर्ज अदायगी न करने पर अपर जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश पर सोमवार को सील कर दिया गया। नायब तहसीलदार सदर पीपी गिरी की अगुवाई में बैंक, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में करीब एक घंटे तक चली कार्रवाई को लेकर गहमागहमी का माहौल रहा। बैंक ने फर्म को कर्ज की रकम अदा करने के लिए डेढ़ माह का समय दिया है, अन्यथा की स्थिति में बैंक प्रापर्टी की नीलामी कर कर्ज अदायगी की कार्रवाई करेगा। मेसर्स केपी दाल मिल फर्म द्वारा वर्ष 2021 में व्यवसाय के लिए बैंक आफ बड़ौदा दरगाह शाखा से यह कर्ज लिया गया था। बताते हैं कि फर्म द्वारा लंबे समय से कर्ज अदायगी न करने पर कई बार नोटिस भेजी गई। इसके बाद भी कर्ज जमा न होने पर बैंक प्रशासन ने अपने उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए वसूली के लिए अपर जिलाधिकारी कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया था। एडीएम कोर्ट से भी फर्म को अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया था लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला। इस पर अपर जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा सोमवार को फर्म को सील करने का आदेश जारी किया गया। नायब तहसीलदार की अगुवाई में लखनऊ के मुख्य प्रबंधक बैंक आफ बड़ौदा रितेश कुमार सिंह, मुख्य प्रबंधक वसूली मनोज कुमार झा और गौरव श्रीवास्तव की टीम ने मौके पर पहुंच कर केपी दाल मिल को सील करने की कार्रवाई की। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दरगाह थाने का पुलिस बल मौजूद रहा। नायब तहसीलदार ने बताया कि एडीएम न्यायालय के आदेश पर सीलिंग की कार्रवाई की गई है। बैंक द्वारा फर्म को डेढ़ माह का समय दिया गया है। निर्धारित समय में ऋण अदायगी न होने पर मिल की नीलामी कर वसूली की कार्रवाई होगी।

तिलक देखने गए बच्चे का दूसरे दिन मिला शव, हत्या का आरोप

संवाददाता–कुशीनगर। जटहा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम हिरनही बीन टोली निवासी मोहित का सात वर्षीय लड़का अंकुश रविवार रात घर के बगल तिलक देखने के दौरान से गायब हो गया स परिजनों एवं पुलिस के काफी खोजबीन के बाद सोमवार को 16 घंटे बाद उसका शव गांव के खैरा माई स्थान पर बखार के टूटे खोप से ढका मिला स पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया स हिरनही के बीन टोली में रविवार को एक व्यक्ति के घर तिलक आया था स उक्त गांव निवासी मोहित बीन परिवार के भरण पोषण के लिए बाहर रहता है स मोहित के चार लड़कियां एवं दो लड़कों में सबसे छोटा 7 वर्षीय लड़का अंकुश भी कुछ बच्चों के साथ शाम सात बजे तिलक देखने गया था स परिजन आश्वत थे कि अंकुश तिलक देख खाना खाकर

वापस आ जाएगा स देर रात तक सब लोगों के चले जाने के बाद भी अंकुश घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद डायल 112 को सूचना दी गई स इस घटना की जानकारी होते ही गांव के लोग भी जुट गए स परिजनों के साथ पुलिस एवं ग्रामीण रातभर बच्चे को खोजते रहे लेकिन कहीं पता नहीं चला स सोमवार सुबह करीब 11 बजे गांव के बच्चे घर से 100 मीटर दूर खैरा माई स्थान पर खेलने पहुंचे स वहां एक बखार के टूटे खोप के नीचे मृत बच्चे को देख शोर मचाया स खबर पाते ही परिजन सहित ग्रामीण पहुंच गए स वहां खोप के नीचे अंकुश का शव पड़ा था स मृतका के मां इंदु देवी ने हत्या का आरोप लगा रही है स उसका कहना था कि बेटे के पीठ पर काला धब्बा था स उसके नाक में रुई लगाई गई थी स इस घटना को लेकर लोग स्तब्ध हैं स परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है स पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया स इस संबंध में थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया शरीर पर कहीं चोट का निशान दिखाई नहीं दिया स इसकी जाच गंभीरतापूर्वक की जा रही है स पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

22 साल के कैप्टन की हार्टअटैक से मौत

संवाददाता–कुशीनगर। 22 साल के कैप्टन अमन सिंह की जम्मू–कश्मीर में हार्ट अटैक से मौत हो गई। रविवार को बारामूला में तबीयत बिगड़ने पर उनके साथी उन्हें कंधों पर उठाकर हेलीपैड तक ले गए। हेलीकॉप्टर से उन्हें श्रीनगर लाया गया, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। कैप्टन की एक साल पहले बारामूला में पोस्टिंग हुई थी। वह कुशीनगर की हाटा तहसील के अब्दुल हमीद नगर इलाके के रहने वाले थे। परिवार के इकलौते बेटे थे। सोमवार को कैप्टन का पार्थिव शरीर श्रीनगर से दिल्ली और फिर गोरखपुर एयरपोर्ट लाया गया, जहां फूलों से सजी सेना की गाड़ी में कैप्टन का पार्थिव शरीर कुशीनगर लाया गया। पार्थिव शरीर के घर पहुंचते ही हजारों की संख्या में मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। मां विभा और पिता यशवंत और दादी बेइला देवी का रो–रोकर बुरा हाल हो गगा। चचेरी बहन अर्पिता का बार–बार भाई का चेहरा दिखाने के लिए बिलखती रही और मिन्नतें करती रही। सेना के जवान उन्हें ढांढस बंधाते नजर आए। इसके बाद शाम करीब 6 बजे सैन्य सम्मान के साथ अमन का गांव की बाग में कैप्टन अमन का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पिता ने बेटे को मुखाग्नि दी। इस दौरान भारता माता की जय और कैप्टन अमन अमर रहें के जयराके लगते रहे।

ट्राम वे इंजन लखनऊ ले जाने के लिए पहुंचे अधिकारी

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज के लक्ष्मीपुर की एतिहासिक धरोहर ट्राम वे इंजन को ले जाने के लिए सोमवार की सुबह अधिकारियों की टीम पहुंच गई।सूचना पर भारी संख्या में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। ऐतिहासिक धरोहर लोगों के बीच से जाने का गम चेहरे पर साफ झलक रहा था। कुछ दिन पूर्व लोगों ने इसका जमकर विरोध भी किया था। लेकिन अब वह सौ वर्षों पुरानी ऐतिहासिक धरोहर उनके बीच से रुखसत होने लगी है। ब्रिटिश हूकूमत द्वारा स्थापित ट्राम वे परियोजना के दो इंजन यहां से दूर हो रहे हैं। म्यूजिम एवं संचालन की उम्मीद क्षेत्र के लोगों के लिए सपना साबित हो रहा है। रेल प्रशासन द्वारा लगभग एक वर्ष से ट्राम वे को लेकर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई चल रही थी। पिछले दिनों इंजन लेने पहुंचे अधिकारियों को लोगों के आक्रोश के कारण बैरंग लौटना पड़ा था। बीते शुक्रवार को लक्ष्मीपुर विकास मंच के पदाधिकारियों के अनुरोध पर नौतनवां विधायक ऋषि त्रिपाठी ने पूर्वोत्तर रेलवे डीआरएम से वार्ता की थी, जिस पर वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर निलेश कुमार शनिवार को पहुंच कर यथास्थिति से अवगत हुए। सोमवार को पुनः रेल प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आरपीएफ के जवान इंजन ले जाने वाले वाहन व दो हैड्रा के साथ पहुंचे। वन विभाग के कार्यशाला से इंजन निकाला जाने लगा। इस दौरान सीनियर सेक्शन इंजीनियर अरविंद सिंह, आरपीएफ के मिथिलेश गौतम, चौकी प्रभारी नौतनवां शिवशंकर यादव व वनविभाग के लोग मौजूद रहे।

विश्व विराट विजय राघव के दर्शन से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में स्थित विश्व विराट विजय राघव मंदिर में प्रभु श्रीराम के विराट स्वरूप के दर्शन का विशेष महत्व है। बताया जाता है कि पूरे देश में यह एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान श्रीराम के विराट रूप की प्राण प्रतिष्ठा 2008 में महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास महाराज के संयोजन में हुई थी और प्राण प्रतिष्ठा के समय कई देशों के राजदूत भी अयोध्या पहुंचे थे।विश्व विराट विजय राघव भगवान की स्थापना के 18 वर्ष पूर्ण होने पर मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किए गए। इस अवसर पर भगवान का पंचामृत से अभिषेक कर नवीन वस्त्र धारण कराए गए तथा विधि–विधान से आरती–पूजन किया गया। उपस्थित संतों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास महाराज ने बताया कि जगत कल्याण और विश्व शांति के उद्देश्य से मंदिर में भगवान के विराट स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा कि गई थी। उनके शिष्य महामंडलेश्वर महावीर दास महाराज ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर विश्व विराट विजय राघव सरकार का यह अद्वितीय मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है।उन्होंने बताया कि जब प्रभु श्रीराम माता कौशल्या के यहां प्रकट हुए थे और माता ने उनकी स्तुति की थी, उसी विराट स्वरूप का दर्शन मंदिर में होता है। मान्यता है कि इस रूप के दर्शन के उपरांत श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। माता कौशल्या की स्तुति के प्रसंग में भगवान ने विराट रूप से बाल स्वरूप धारण कर धरती पर मर्यादा की स्थापना की और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए।इस अवसर पर मंदिर परिसर में खड़ेश्वरी मंदिर के महंत रामप्रकाश दास, महंत नंदराम, महंत मनमोहन दास, महंत रामकुमार दास, प्रभु दास उर्फ मामा दास, स्वामी छविराम दास, नीरज शास्त्री, पार्षद पुजारी रमेश दास, भरत दास, पुजारी मामा दास, जयमंगल दास सहित अनेक संत–महंत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने विश्व विराट विजय राघव सरकार के दर्शन–पूजन कर विश्व कल्याण की कामना की।

परिवार की दबंगई के आगे बेबस दिखी पुलिस, दरोगा का कालर पकड़ा, चिल्लाती रहीं महिलाएं

संवाददाता–देवरिया। जिले में एक परिवार की दबंगई के आगे पुलिस टीम बेबस नजर आई। इस परिवार के एक सदस्य ने दरोगा का कॉलर पकड़ लिया। सिपाही और अन्य पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो ईंट उठा लिया। इस दौरान वहां मौजूद कुछ महिलाएं पुलिस टीम पर लगातार चिल्लाती रहीं। परिवार के अक्रामक तेवर देख पुलिस बैकफुट पर आती दिखी। पता चला कि पुलिस टीम मौके से वापस लौट गई। घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मामला देवरिया के मईल थाना क्षेत्र के चकरा गोसाई गांव का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस पंचायत भवन की चहारदीवारी के पास मिट्टी की अवैध कटान रोकने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी ने दरोगा का कॉलर पकड़ लिया। पुलिस को शिकायत मिली थी कि आरोपी ने पंचायत भवन की चहारदीवारी से सटाकर मिट्टी काट दी जिससे दीवार ढह गई। आरोपी की जमीन भी पंचायत भवन के बगल में ही है। गांव के पुराने पंचायत भवन में ही चकरा गोसाई पुलिस चौकी भी है। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस टीम में दरोगा के अलावा कुछ सिपाही थे। पुलिस टीम ने आरोपी से काम रोकने को कहा तो वह उग्र हो गया। उसने गाली–गलौज शुरू कर दी। यही नहीं दरोगा का कॉलर भी पकड़ लिया। इस दौरान दूसरे पुलिस कर्मी ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो आरोपी उससे भी भिड़ गया। उसने पुलिस टीम पर ईंट उठा ली।

आरोपी के ईंट उठा लेने के बाद पुलिस टीम बैकफुट पर आ गई। पुलिसकर्मियों ने आरोपी से ईंट नीचे रखने को कहा और बातचीत की कोशिश करने लगे। लेकिन आरोपी पूरी तरह उग्र था। उधर, वहां मौजूद कुछ महिलाएं भी पुलिस टीम पर पहले हाथ छोड़ने का आरोप लगाते हुए लगातार चिल्ला रहीं थीं। महिलाएं पुलिसवालों से बार–बार पूछ रही थीं कि हाथ कैसे छोड़ा। आरोपी, उसका परिवार और मौके पर मौजूद महिलाएं पुलिस टीम पर इस तरह हावी हुईं कि उन्हें महिला सिपाहियों को भी मौके पर बुलाना पड़ा। इसके बाद भी आरोपी और उसके परिवार के तेवर ढीले नहीं पड़े। ईंटों से हमले की धमकी के चलते पुलिस को पीछे हटना पड़ा। घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में पांच के खिलाफ नामजद और छह अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। मईल थानेदार ने मीडिया को बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अविमुक्तेश्वरानंद मामले में होगी निष्पक्ष जांच –राकेश सचान

संवाददाता–बलरामपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और बलरामपुर के प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने जिले का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की गहन समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, सभी विभागाध्यक्षों, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप न पाए जाने पर मंत्री सचान ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचे

और इसमें लापरवाही गंभीर मानी जाएगी। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निस्तारण और संवेदनशील प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और प्रशासन को पूरी तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए। इस दौरान प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दर्ज यौन शोषण के एफआईआर से जुड़े सवाल पर मंत्री राकेश सचान ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत या एफआईआर पर निष्पक्ष जांच की जाएगी।

मंत्री सचान ने आगे कहा– "यह योगी जी की सरकार है, यहां कार्रवाई पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होती है। जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।"

सपा कार्यालय में संत गाडगे जयंती मनाई गई

संवाददाता–देवरिया। शहर के बांस देवरिया स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय के मुलायम सिंह यादव सभागार में सोमवार को संत गाडगे की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक मुक्तिनाथ यादव और पूर्व मंत्री शाकिर अली की पुण्यतिथि पर भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव मंजूर हसन ने किया। उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संत गाडगे, मुक्तिनाथ यादव और शाकिर अली के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि संत गाडगे ने अपना पूरा जीवन अवैज्ञानिक मान्यताओं, कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ संघर्ष में समर्पित किया। वे स्वच्छता के प्रबल समर्थक थे और कीर्तन के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर प्रहार करते थे। उनका मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की सेवा करना था। व्यास यादव ने आगे कहा कि पूर्व मंत्री शाकिर अली और पूर्व विधायक मुक्तिनाथ यादव ने अपने जीवन में शोषितों, वंचितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका निधन समाजवादी आंदोलन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके विचारों और संघर्षों को आगे बढ़ाने, पार्टी संगठन को मजबूत करने तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए परिवार को सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हृदयनारायण जायसवाल, मालवीय प्रसाद निर्मल, डॉ. रामनाथ चौहान, हंसनाथ यादव, अखिलेश कनौजिया, रंजना भारती, अजीत शर्मा, देशराज यादव, अर्जुन यादव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अधिवक्ता हत्याकांड से नाराज वकीलों का प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। हाईकोर्ट अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा की हत्या के विरोध में अधिवक्ताओं का आक्रोश जारी है आज सोमवार को हजारों की संख्या में अधिवक्ताओं ने जिला न्यायालय से गोंडा पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक मार्च निकाला और वहां घंटों तक धरना प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं ने कर्नलगंज कोतवाल, हल्का इंचार्ज और थाने के पुलिसकर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की मांग की है। गोंडा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र चंद त्रिपाठी ने बताया कि अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा ने जमीन पर कब्जा लेने से पहले पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसी लापरवाही के कारण यह हत्याकांड हुआ। अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर थाने से छोड़ दिया। इस पूरे मामले की जांच कराए जाने की मांग भी की गई है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि 36 घंटे के भीतर आरोपियों और कर्नलगंज कोतवाल पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे दोबारा बैठक कर एक बड़े आंदोलन की रणनीति बनाएंगे। प्रदर्शन को देखते हुए एसपी कार्यालय पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। वकीलों से ज्ञापन लेकर के उनको आश्वासन दिया गया है कि आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है इसके साथ ही साथ यह भी आश्वासन दिया गया है। कि जो भी आप लोग पुलिस कर्मियों के खिलाफ जांच की मांग कर रहे हैं उनके खिलाफ भी जांच की जाएगी।

सीडीओ ने मिहींपुरवा ब्लाक का निरीक्षण किया

संवाददाता–बहराइच। मिहीपुरवा विकास खंड मुख्यालय स्थित क्षेत्र पंचायत कार्यालय व पशु चिकित्सालय का निरीक्षण सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र द्वारा किया गया।

क्षेत्र पंचायत कार्यालय में बैठकर विकासखंड में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा वीडियो कॉलिंग के माध्यम से मनरेगा द्वारा चल रहे कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। पटल सहायक से उनसे कार्य की प्रगति की बारे में बातें की। विकास खंड मुख्यालय परिसर में साफ सफाई का निरीक्षण किया। सब सफाई पर संतोष जाहिर किया। सीडीओ ने पशु चिकित्सा अधिकारी जयप्रकाश वर्मा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर प्रमोद कुमार वर्मा के साथ पशु चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

शिक्षामित्रों ने जनप्रतिनिधियों से की मुलाकात

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षामित्रों के वेतन में वृद्धि, निशुल्क कैशलेस सुविधा और महिला शिक्षामित्रों को पति के निवास स्थान पर स्थानांतरण की घोषणा की गई है। इस घोषणा के बाद आज सोमवार को गोंडा में शिक्षामित्र संगठनों ने सांसदों और विधायकों से मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद दिया।

इस दौरान उन्होंने अपनी शेष समस्याओं के समाधान के लिए मांग पत्र भी सौंपे है। सोमवार को गोंडा जिले में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश मिश्रा के नेतृत्व में हजारों शिक्षामित्रों ने जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की है।

उन्होंने कैसरगंज से बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह और गोंडा सदर से भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह से भेंट की। शिक्षामित्रों ने इन तीनों नेताओं को भगवान की प्रतिमाएं और मिठाई भेंट कर सरकार की घोषणाओं के लिए धन्यवाद दिया।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश मिश्रा ने बताया कि इन जनप्रतिनिधियों ने ही उनकी समस्याओं को उठाया था, जिसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें ये सुविधाएं प्रदान की हैं। उन्होंने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले की सरकारों ने उनकी बात नहीं सुनी थी।

मिश्रा ने बताया कि जनप्रतिनिधियों ने शिक्षामित्रों की शेष समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से बात करने का आश्वासन भी दिया है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, जिला संगठन मंत्री तेजेंद्र कुमार शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार, दीपचंद मिश्रा, शिव वर्धन सिंह, शिव कुमार जायसवाल, राकेश कुमार सिंह, श्रीवर्धन सिंह, रमाकांत, बृजभूषण यादव, दुःख हरण नाथ यादव, शैलेश सिंह और राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षामित्र उपस्थित थे।

स्कूल रेडिनस के बारे में शिक्षकों को किया प्रशिक्षित

संवाददाता–बहराइच। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पयागपुर में स्कूल रेडिनस फेस– 1 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डाइट प्राचार्य आशीष कुमार सिंह के निर्देशन में नोडल संकुल शिक्षक एवं आंगनवाड़ी सुपरवाइजर को जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया। जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) प्रदीप वर्मा तथा प्रवक्ता गोविंद किशोर ने किया। डायट प्राचार्य, एसआरजी सुधीर कुमार मल्होत्रा, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रशिक्षण में बाल वाटिका स्कूल रेडिनस क्या है इसके नियम तथा दैनिक साप्ताहिक एवं वार्षिक शिक्षण कार्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण में जिले के प्रत्येक न्याय पंचायत से एक – एक शिक्षक को नोडल बनाया गया है। जिनके साथ सुपरवाइजर को भी प्रशिक्षित किया गया। सभी प्रशिक्षित नोडल अपने न्याय पंचायत के शिक्षक तथा कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित करेंगे। इस अवसर पर साकेत भूषण तिवारी, अरुण अवस्थी आदि मौजूद रहे।

युवा, गरीब, शोषित व वंचितों को समर्पित है बजट –विधायक

संवाददाता–श्रावस्ती। भाजपा की ओर से मोदी सरकार के नेतृत्व में देश की संसद में प्रस्तुत बजट को लेकर विधानसभा चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के क्रम में सोमवार को इकौना ब्लॉक सभागार में श्रावस्ती विधानसभा के चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में विधायक श्रावस्ती राम फेरन पांडेय व विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष डा मिश्रीलाल वर्मा मौजूद रहे। श्रावस्ती विधायक ने कहा कि युवा शक्ति संचालित बजट गरीब, शोषित व वंचित समुदायों पर विशेष ध्यान के सरकार के संकल्प पर जोर देता है। बजट में सरकार के तीन कर्तव्य निहित है। पहला कर्तव्य है कि उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हुए तथा उथल–पुथल भरी वैश्विक स्थिति के प्रति सहनीयता का निर्माण करके आर्थिक वृद्धि को तेज करना तथा इसे बनाए रखना। दूसरा कर्तव्य है कि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनके क्षमता का निर्माण करनाय भारत की समृद्धि के मार्ग में उन्हें मजबूत भागीदार बनाना और तीसरा कर्तव्य सबका साथ–सबका विकास के विजन से जुड़ा है। यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र के पास संसाधनों, सुविधाओं तथा सार्थक भागीदारी के लिए अवसरों तक पहुंच की सुविधा हो। जिलाध्यक्ष ने कहाकि 2025 के स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद 350 से ज्यादा सुधारों की शुरूआत की गई है। इनमें जीएसटी सरलीकरण, श्रम संहिताओं की अधिसूचना, अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों का युक्तिकरण शामिल है।

बीआरसी पौली पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

शिक्षण कार्य में वंडर बाक्स का अवश्य करें उपयोग– अर्जुन प्रसाद

संतकबीरनगर (पौली)। ब्लाक संसाधन केंद्र पौली के सभागार में सोमवार को प्री–प्राइमरी से संबंधित वंडर बॉक्स का आंगनवाड़ी एवं नोडल शिक्षक क्षमता संवर्धन हेतु दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्री प्राइमरी के बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के तरीके बताये गये।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद व मुख्य सेविका ज्योति ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अर्जुन प्रसाद वर्मा ने कहा कि प्री–प्राइमरी की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। आंगनवाड़ी कार्यकत्री मेहनत कर रही हैं जो दिख भी रहा है। लेकिन शिक्षण कार्य में विभाग द्वारा मिले वंडर बॉक्स का उपयोग अवश्य करें। जिससे बच्चों को सिखाने में सुलभता होगी।

मुख्य सेविका ज्योति ने बताया कि शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकत्री आपस में सामंजस्य स्थापित कर बच्चों को सवारें। जिससे शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ सके। प्री–प्राइमरी शिक्षा बच्चों की जड़ है। जब यह मजबूत रहेगा तभी बच्चा आगे बढ़ पायेगा। प्रशिक्षक एआरपी रुदल प्रसाद, मनीराम मौर्य,पूनम व कमलेश ने वंडर बाक्स के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विनोद पांडेय ने किया।

कार्यक्रम में मो रऊफ, अमित सिंह, अभय दुबे, दिनेश, हरिओम त्रिपाठी, राजकुमार यादव, मनोज वर्मा, कुंदन यादव, सरोज यादव, रश्मि, कामिनी, रूबी, पूनम सहित तमाम आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रही।

12 गांवों में लगेगी चकबन्दी चौपाल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में चकबन्दी प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए प्रशासन ने ग्राम चौपाल लगाने का निर्णय लिया है। चकबन्दी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर जिले के 12 चकबन्दी प्रक्रियाधीन गांवों में 24 से 27 फरवरी के बीच ये चौपालें आयोजित की जाएंगी। इन चौपालों में वरिष्ठ अधिकारी स्वयं उपस्थित रहकर किसानों की समस्याओं को सुनेंगे और मौके पर ही उनके समाधान का प्रयास करेंगे।

बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी डॉ. ललित कुमार मिश्रा ने बताया कि चकबन्दी निदेशालय के निर्देशानुसार ग्राम स्तर पर चौपालों का आयोजन किसानों से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य चकबन्दी कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, खातेदारों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना और विवादों को समय रहते सुलझाना है। इससे किसानों को अनावश्यक मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी और चकबन्दी प्रक्रिया में तेजी आएगी। जारी रोस्टर के अनुसार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) उप संचालक चकबन्दी डॉ. ज्ञान प्रकाश 24 फरवरी को दोपहर 2 बजे तहसील बांसी के ग्राम पाली के पंचायत भवन में चौपाल लगाएंगे। इसके बाद, वे 27 फरवरी को दोपहर 2 बजे तहसील डुमरियागंज के ग्राम बढनी चाफा के पंचायत भवन में किसानों की समस्याएं सुनेंगे। बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी डॉ. ललित कुमार मिश्रा 25 फरवरी को सुबह 10 बजे तहसील बांसी के ग्राम सिकटा में उपस्थित रहेंगे। वे 27 फरवरी को सुबह 10 बजे तहसील नौगढ़ के ग्राम जगमोहनी के पंचायत भवन में भी चौपाल आयोजित करेंगे।

यादव लव स्टोरी फिल्म का विरोध, कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शनः यादव समाज ने प्रतिबंध की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। फिल्म यादव लव स्टोरी के विरोध में यादव समाज के सैकड़ों लोगों ने सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने फिल्म को समाज विरोधी बताते हुए इस पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर नारेबाजी से गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मृदुल तिवारी और प्रगति तिवारी के निर्देशन में बनी यह फिल्म समाज में नफरत और वैमनस्यता फैला रही है। उनका कहना है कि फिल्म की कहानी में यादव समाज की छवि को गलत तरीके से दिखाया गया है, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका है।

कलेक्ट्रेट परिसर में जुटे लोगों ने यादव मूवी बंद करो के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि फिल्म को रिलीज किया गया या किसी भी सिनेमा हॉल में प्रदर्शित किया गया, तो यादव समाज इसका कड़ा विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि समाज अपने सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगा और जरूरत पड़ने पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने यह भी बताया कि यह आंदोलन केवल सिद्धार्थनगर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे प्रदेश और देश में यादव समाज के लोग इस फिल्म के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। उनका आरोप है कि फिल्म के माध्यम से समाज को जाति और धर्म के आधार पर बांटने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि फिल्म में यादव लड़की और मुस्लिम युवक के बीच प्रेम प्रसंग को जिस तरह दर्शाया गया है, उससे समाज में भ्रम और तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने इस मामले में राजनीतिक साजिश का आरोप लगाते हुए कहा कि समाज को विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसे किसी भी प्रयास को तुरंत रोका जाए, ताकि आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता को नुकसान न पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से सुभाष यादव, सुनील यादव पहलवान, राकेश यादव, धीरज यादव, महेश यादव, अनुज यादव, सतीश यादव, संतोष यादव, अर्जुन यादव, राममिलन यादव, विजय यादव, राधेश्याम यादव, सुरेश यादव, दुर्गेश यादव एवं श्याम लाल यादव सहित बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग मौजूद रहे।

मगहर में संत गाडगे महाराज की जयंतीः आमी नदी के धोबी घाट पर श्रद्धा और उत्साह से मनाई गई

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद के नगर पंचायत मगहर में आमी नदी के धोबी घाट पर सोमवार को महान समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

जयंती समारोह की शुरुआत संत गाडगे महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलित करके हुई। भाजपा नेता सुजीत गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि संत गाडगे महाराज ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, छुआछूत और अंधविश्वास के खिलाफ जीवनभर संघर्ष किया।

गुप्ता ने आगे कहा कि उन्होंने स्वच्छता, शिक्षा और मानव सेवा को ही सच्ची पूजा बताया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में स्वच्छता और समानता का संदेश फैलाना आज की आवश्यकता है।

इसी क्रम में, सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत कन्नौजिया ने बताया कि संत गाडगे महाराज का जीवन सादगी, त्याग और सेवा का प्रतीक रहा है। उन्होंने गांव–गांव घूमकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और शिक्षा के प्रसार पर बल दिया।

कन्नौजिया ने कहा कि उनके प्रयासों से समाज के पिछड़े वर्गों को नई दिशा मिली। इस मौके पर पूर्व सभासद सीताराम कन्नौजिया, रविन्द्र कुमार, दीपक कन्नौजिया, संजय कन्नौजिया, रवि कुमार, जगन्नाथ, गुलशन कुमार, वंश बहादुर, राजन कन्नौजिया, राधेश्याम सहित कई महिलाएं और युवा उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे०एम०/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 498/2025
थाना–कोतवाली
जिला–बस्ती
श्रीमती साहिबा खातून
बनाम
जमील आदि

1. जमील उम्र तख्मीनन 38 साल पेशा पेटर (पति) 2. मुस्तफा उर्फ लड्डू उम्र तख्मीनन 45 साल पेशा व्यापार (जेठ) 3. शकील उम्र तख्मीनन 30 साल पेशा पेटर (देवर) पिसरान मो0 यासीन 4. श्रीमती रेहाना उम्र तख्मीनन 40 साल जौजे मुस्तफा उर्फ लड्डू पेशा गृहणी (जेठानी) 5. श्रीमती मजीदन उम्र तख्मीनन 70 साल जौजे स्व0 मोहम्मद यासीन पेशा गृहणी (सास) निवासीगण मोहल्ला निराला नगर पानी की टंकी के पास थाना कोतवाली बांसी पोस्ट नरकटहा पिन कोड–272159 जिला सिद्धार्थनगर –विपक्षीगण

तारीख पेशी 07–03–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 07 मास 03 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन, टीचरों में आक्रोश

संवाददाता–अयोध्या। टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने सोमवार को काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन के साथ शिक्षण कार्य भी किया। डायट व बोर्ड परीक्षा केंद्र भी इसकी जद में रहे।

टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक व उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ ने आंदोलन में प्रतिभाग किया। बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी कर रहे परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर परीक्षा संपन्न कराई। डायट में चल रहे प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले शिक्षक भी आंदोलन का हिस्सा बने और प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने कहा कि सरकार के रवैये से शिक्षकों में आक्रोश है। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी, महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष मनोरमा साहू, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलामंत्री चक्रवर्ती सिंह, जूनियर शिक्षक संघ के जिला मंत्री चंद्रजीत यादव एवं नीलम मंध्यान ने सरकारी नीतियों की निंदा की। सभी ने शिक्षकों को तत्काल टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग की। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, वीरेंद्र भारती, मो. तारिक, अर्चना गोस्वामी, मो. आरिफ, गोपाल श्रीवास्तव, अविनाश पांडेय, अजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश प्रताप सिंह, बरसाती राही, संतोष यादव, दीप सहाय, अनुज सिंह, चंद्र प्रकाश यादव, आरती शाह, चंदा वर्मा, सत्येंद्र गुप्त सहित संघ के पदाधिकारियों ने जगह–जगह आंदोलन का नेतृत्व किया।

घरेलू विवाद में महिला ने की खुदकुशी

संवाददाता–गोरखपुर। उरुवा थाना क्षेत्र के कोटिया गांव में घरेलू विवाद से आहत एक महिला ने फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, कोटिया निवासी 30 वर्षीय गीता पत्नी मदन गोंड ने सोमवार दोपहर करीब तीन बजे विदेश में रह रहे अपने पति से मोबाइल पर बातचीत की। इसके बाद वह कमरे में गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। कुछ देर बाद जब घर की महिलाएं दरवाजा खुलवाने पहुंचीं और अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उन्होंने दरवाजे के सुराख से देखा।

भीतर का दृश्य देखकर परिवार में हड़कंप मच गया। मृतका का आठ वर्ष का एक पुत्र है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतका की सास श्यामप्यारी की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

क्रिकेट कोच अनिकेत उपाध्याय के नाम एक और उपलब्धि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोच अनिकेत उपाध्याय ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से रिप्रेजेंटेटिव (लेवल–2) कोच का सर्टिफिकेट हासिल कर एक और उपलब्धि अपने नाम की है। अनिकेत पहले से ही बीसीसीआई लेवल–1 कोच हैं और इस क्षेत्र में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं।

अनिकेत की कोचिंग विचारधारा शब्दों के बजाय कार्यों में विश्वास करती है, और उन्होंने विजय यादव क्रिकेट एकेडमी द्वारा संचालित सेंट जेवियर्स क्रिकेट एकेडमी के माध्यम से बस्ती जिले में एक अत्यधिक कुशल और सुसज्जित क्रिकेट इंफ्रास्ट्रैक्टर स्थापित किया है।

अनिकेत ने चेतन शर्मा (अंडर–19 भारत), शिवांश शर्मा (जे एंड के रणजी ट्रॉफी एवं कप्तान अंडर –23 जे एंड के), अहान पोद्दार (गुजरात विजय हजारे एवं कप्तान अंडर 23 गुजरात), आंजनेय सूर्यवंशी (उत्तराखंड रणजी ट्रॉफी) ऋषिव जोशी (कनाडा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी), राहुल तेवतिया (भारतीय एवं आईपीएल खिलाड़ी) जैसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षित और विकसित किया है।

बस्ती में क्रिकेट एकेडमी संचालित करने के कारण, अनिकेत हमारे जिले में क्रिकेट की हर स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं, और अपने अनुभव और जुनून के साथ, वह बस्ती क्रिकेट को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं।

अनिकेत की इस उपलब्धि पर राजेन्द्रा हॉस्पिटल के निदेशक राजेन्द्र चौधरी, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक गजेंद्र नाथ तिवारी, अध्यक्ष मंडल क्रिकेट एसोसिएशन गोरखपुर शफीक सिद्दीकी एवं भूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विजय यादव एवं निदेशक सेंट जेवियर्स स्कूल बस्ती के राजीव कुमार ने उन्हें बधाई दी और बस्ती में क्रिकेट को विकसित करने के उनके इन प्रयासों की सराहना किया।

चकबंदी अधिकारी के खिलाफ लेखपाल संघ का प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। चकबंदीकर्ताच्चकबंदी लेखपाल संघ ने सोमवार को चकबंदी अधिकारी ऐस मोहम्मद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। संघ का आरोप है कि चकबंदी लेखपाल राम प्रवेश यादव को बिना पर्याप्त साक्ष्य के निलंबित किया गया है। मामला धनघटा के ग्राम संठी से संबंधित है, जहां चक निर्माण में अनियमितता का आरोप है। संघ का कहना है कि इस मामले में चकबंदी अधिकारी ऐस मोहम्मद की जांच रिपोर्ट के आधार पर लेखपाल राम प्रवेश यादव को निलंबित किया गया है। संघ के सदस्यों ने आरोप लगाया कि चकबंदी अधिकारी ऐस मोहम्मद बिना किसी ठोस साक्ष्य के लेखपाल को दोषी ठहरा रहे हैं। उनका यह भी आरोप है कि राम प्रवेश यादव को निलंबन अवधि के दौरान चकबंदी अधिकारी कार्यालय खलीलाबाद में अटैच किया गया है और उन्हें लगातार जेल भेजने की धमकी दी जा रही है।

संघ ने दावा किया कि आपत्तियां चकबंदी अधिकारी के मौखिक आदेश पर ली गई थीं और काश्तकार ने स्वयं अपनी आपत्ति में सुधार की मांग की थी। पत्रावली काश्तकार के हस्ताक्षर से ही वापस की गई थी, जो चकबंदी अधिकारी और पेशकार के संज्ञान में था और उस पर पेशकार के हस्ताक्षर भी थे।

संघ ने आरोप लगाया कि लेखपाल पर अभी भी दबाव बनाया जा रहा है और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले भी इसी तरह के दबाव और मानसिक तनाव के कारण दो सहायक चकबंदी अधिकारी हृदय रोग और ब्रेन हैमरेज जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ चुके हैं।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि चकबंदी लेखपाल को कोई समस्या होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी चकबंदी अधिकारी ऐस मोहम्मद और अन्य संबंधित अधिकारियों की होगी। संगठन ने ग्राम संठी मामले में चकबंदी अधिकारी ऐस मोहम्मद को भी पूर्ण रूप से जिम्मेदार ठहराया है और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

होली से पहले खाद्य विभाग का छापामार अभियान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। होली पर्व से पहले मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष अभियान चलाया। यह कार्रवाई सोमवार, 23 फरवरी को आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश और जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य)–II के नेतृत्व में की गई। अभियान के दौरान टीम ने नौगढ़ और थरौली क्षेत्रों में संदिग्ध खाद्य पदार्थों की जांच की, नमूने लिए और मानक के अनुरूप न पाए जाने पर बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त कर नष्ट की।नौगढ़ के खजुरिया रोड स्थित एक प्रतिष्ठान पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापा मारा और खोया का नमूना लिया। निरीक्षण में 160 किलोग्राम खोया अस्वास्थ्यकर और अस्वच्छ परिस्थितियों में पाया गया। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन होने के कारण विभाग ने मौके पर ही इस पूरे खोया को नष्ट करा दिया।थरौली स्थित वन विभाग चौराहे पर भी टीम ने कार्रवाई की और नमकीन का नमूना लिया। जांच में 124 किलोग्राम नमकीन प्रथम दृष्टया मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, जिसके बाद विभाग ने उसे तत्काल सीज कर दिया। सभी संबंधित नमूनों को आगे की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–105/2022
मूलवाद सं0–330/2013
छोटेलाल आदि
बनाम
श्रीमती सुनीता चौधरी आदि

1. श्रीमती सुनीता चौधरी उम्र करीब 41 साल पत्नी राम कुमार चौधरी साकिन गाऊखोर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग
2. सीताराम पाण्डेय उम्र करीब 67 साल पुत्र जटाशंकर साकिन गाऊखोर तप्पा पड़िया परगनना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 19–03–2026

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 19 माह 03 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0–582/2025
श्रीमती सुशीला सिंह
बनाम
अर्जुन सिंह

1. अर्जुन सिंह उम्र लगभग 65 साल पुत्र बलवन्त सिंह साकिन कटहरा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–03–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 69/2022
रामनिहोर
बनाम
राधेश्याम

1. राधेश्याम उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र विश्राम निवासी ग्राम हरनखा तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–03–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान अपर आयुक्त न्यायिक बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
निगरानी सं0– 1037/2023
पराग
बनाम
पंकज आदि

1. पंकज 2. अंकित उर्फ छोटू पुत्रगण माधव प्रसाद उर्फ अशोक कुमार ग्राम पिपरा भैया तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
3. ग्राम पंचायत ग्राम सभा पिपरा भैया तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
4. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 19–03–2026

हरगाह के आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23 माह 02 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही की है। जिले की थाना दुधारा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अफीम की अवैध खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 28.5 किलोग्राम अफीम के हरे पौधों (जड़, फल व फूल सहित) के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष दुधारा अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि पूरा मामला ग्राम पुरैना मंसूर का है, जहां एक व्यक्ति अपने मकान के सामने बनी बाउंड्री के अंदर अफीम की खेती कर रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी की। मौके पर बाउंड्री के भीतर एक क्यारी में अफीम के पौधे लगे पाए गए। पुलिस ने मौके से अबु उबैदा उर्फ छोटू पुत्र इरफान अहमद निवासी पुरैना मंसूर, थाना दुधारा, को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने अपने चाचा रिजवान के साथ मिलकर लाभ कमाने के उद्देश्य से अफीम की बुआई की थी। इस संबंध में थाना दुधारा पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

राप्ती नदी किनारे महिला का शव मिला

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार क्षेत्र के गौर बरसाईत गांव के सामने राप्ती नदी किनारे सोमवार सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने पानी में उतराया शव देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची खोराबार पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, शव करीब एक सप्ताह पुराना प्रतीत हो रहा है। महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष आंकी जा रही है। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और आसपास के थानों को सूचना भेजी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com